पु॰ना International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Class-VIII

Hindi

Specimen copy

Year- 2022-23

Month-April, June

अनुक्रमणिका

क्रम . नंबर	महिना	पाठ / कविता का नाम
1	अप्रैल – मई	* **कविता-1 ध्वनि** * **पाठ -2 लाख की चुड़ियाँ** * भारत की खोज पाठ -1 * व्याकरण – भाषा ,लिपि , बोली और व्याकरण * लेखन विभाग – निबंध , कहानी लेखन
2	जून	* **पाठ -3 बस की यात्रा** * **कविता -4 दिवानों की हस्ती** * भारत की खोज पाठ -2,3 * व्याकरण – वाक्य , संधि * लेखन विभाग – पत्र लेखन , संवाद लेखन

कविता -1 ध्वनि

(कवि - सूर्यकांत त्रिपाठी)

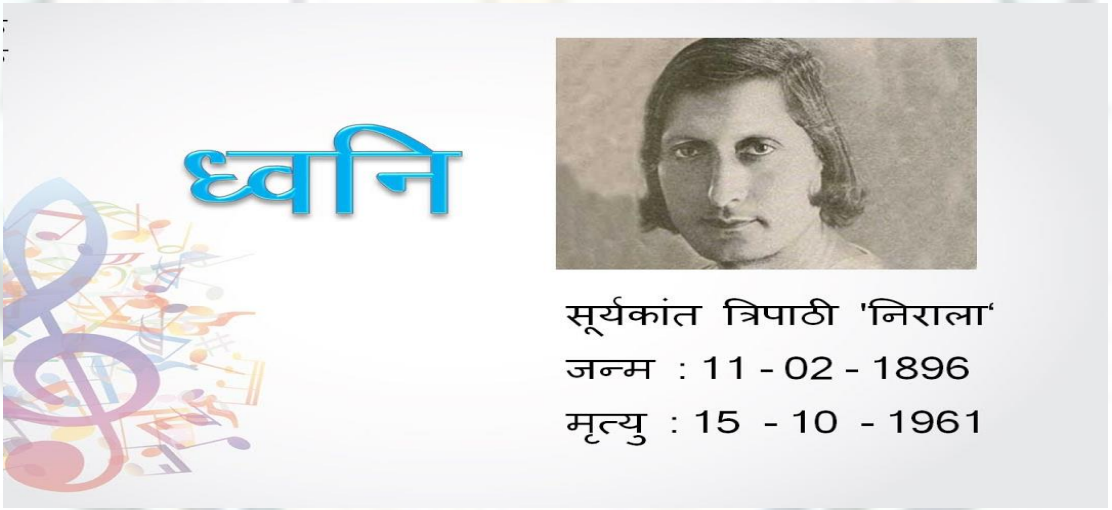

कविता का सार

कवि मानते हैं कि अभी उनका अंत नहीं होगा। अभी-अभी उनके जीवन रूपी वन में वसंत रूपी यौवन आया है।कवि प्रकृति का वर्णन करते हुए कहते हैं कि चारों ओर वृक्ष हरे-भरे हैं,पौधों पर कलियाँ खिली हैं जो अभी तक सो रही हैं।कवि कहते हैं वो सूर्य को लाकर इन अलसाई हुई कलियों को जगाएँगे और एक नया सुन्दर सवेरा लेकर आएंगे। कवि प्रकृति के द्वारा निराश-हताश लोगों के जीवन को खुशियों से भरना चाहते है। कवि बड़ी तत्परता से मानव जीवन को संवारने के लिए अपनी हर ख़ुशी एवं सुख को दान करने के लिए तैयार हैं। वे चाहते हैं हर मनुष्य का जीवन सुखमय व्यतीत हो। इसिलए वे कहते है कि उनका अंत अभी नहीं होगा जबतक वो सबके जीवन में खुशियाँ नहीं लादेते।वे चाहते हैं हर मनुष्य का जीवन सुखमय व्यतीत हो। इसिलए वे कहते है कि उनका अंत अभी नहीं होगा जबतक

वो सबके जीवन में खुशियाँ नहीं लादेते।

➢ नए शब्द

1) मृदुल
2) पात
3) कोमल
4) गात
5) निद्रित
6) प्रत्युष
7) मनोहर
8) तंद्रालस
9) सहर्ष

➢ शब्दार्थ

1) अंत: समाप्ति
2) पात: पत्ता
3) गात: शरीर
4) पुष्प: फूल
5) तंद्रालस: नींद से अलसाया हुआ
6) लालसा: लालच
7) नव: नये
8) अमृत: सुधा
9) सहर्ष: ख़ुशी के साथ
10) सींच: सिंचाई
11) द्वार: दरवाज़ा
12) अनंत: जिसका कभी अंत न हो
13) अंत: खत्म
14) कर: हाथ
15) कलियों: थोड़ी खिली कलियाँ
16) प्रत्यूष: सवेरा

➢ सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1) 'ध्वनि' कविता के रचयिता निम्नलिखित में से कौन हैं?

(a) रामधारी सिंह 'दिनकर'
(b) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
(c) रामचंद्र तिवारी
(d) प्रभुनारायण

2) इस काव्यांश की कविता का नाम है-

(a) वसंत
(b) ध्वनि
(c) सवेरा
(d) मनोहर

3) अभी किसका अंत न होगा?

(a) वसंत का
(b) कवि के जीवन का
(c) प्रभाव का
(d) कलियों का

4) कवि पुष्य-पुष्प से क्या खींच लेना चाहता है?

(a) मिठास
(b) पराग
(c) खुशबू
(d) तंद्रालस लालसा

5) 'कलियाँ' किसका प्रतीक हैं?

(a) नवयुवकों का
(b) फूलों का
(c) वसंत का
(d) प्रातः काल का

6) कवि पुष्यों को सहर्ष किससे सींचना चाहता है?

(a) नवजीवन के अमृत से (b) नवजीवन के जल से

(c) नवजीवन की वर्षा से (d) इनमें से कोई नहीं

➢ लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

1) अभी न होगा मेरा अंत' कवि ने ऐसा क्यों कहा?

उत्तर - 'अभी न होगा मेरा अंत' कवि ने ऐसा इसलिए कहा है, क्योंकि वे बताना चाहते हैं कि अभी अंत नहीं होने वाला है। अभी अभी तो वसंत का आगमन हुआ है जिससे उसका जीवन खुशियों से भर गया है। वह उमंग से भरा हुआ है।

2) 'वन में मृदुल वसंत' पंक्ति से आशय क्या है?

उत्तर - वन में मृदुल वसंत का अभिप्राय है- वन रूपी जीवन में वसंत का आगमन होना है।

3) कवि पर वसंत का क्या प्रभाव दिखाई देता है?

उत्तर - वसंत के आगमन पर पेड़ों पर नए-नए, हरे-हरे पत्ते निकल आते हैं। नई-नई डालियाँ निकल आती हैं जिन पर कोमल कलियाँ निकल आती हैं जिससे कवि का जीवन खुशियों से भर गया है। कवि उमंग से भरा हुआ है।

4) वसंत का क्या प्रभाव दिखाई देता है ?

उत्तर - वन कवि के जीवन रूपी उपवन का और निद्रित कलियाँ-आलस्य में डूबे हुए नवयुवकों का प्रतीक है।

5) कवि पुष्पों को किस रूप में देखता है और इनमें क्या परिवर्तन चाहता है?

उत्तर -कवि को पुष्प आलसी तथा नींद से बोझिल दिखाए पड़ रहे हैं। अपने स्पर्श से पुष्पों की नींद भरी आँखों से आलस्य छीन लेना चाहता है, यानी कवि उनका आलस्य दूर कर उन्हें चुस्त और जागरूक बनाना चाहता है।

➢ दीर्घ प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

1) वसंत को ऋतुराज क्यों कहा जाता है?

उत्तर- वसंत को ऋतुराज कहा जाता है क्योंकि यह सभी ऋतुओं का राजा है। इस ऋतु में प्रकृति पूरे यौवन होती है। इस ऋतु के आने पर सर्दी कम हो जाती है। मौसम सुहावना हो जाता है। पेड़ों में नए पत्ते आने लगते हैं। आम बौरों से लद जाते हैं और खेत सरसों के फूलों से भरे पीले दिखाई देते हैं। सरसों के पीले फूल ऋतुराज के आगमन की घोषणा करते हैं। खेतों में फूली हुई सरसों, पवन के झोंकों से हिलती, ऐसी दिखाई देती है, मानो, सामने सोने का सागर लहरा रहा हो। कोयल पंचम स्वर में गाती है और सभी को कुहू-कुहू की आवाज़ से मंत्रमुग्ध करती है।

➢ व्याकरण

➢ भाषा , लिपि और व्याकरण

भाषा - भाषा वह साधन है, जिसके द्वारा मनुष्य बोलकर, सुनकर, लिखकर व पढ़कर अपने मन के भावों या विचारों को आदान – प्रदान करता है।

भाषा के रूप- भाषा के दो रूप हैं-

1) मौखिक भाषा – जब व्यक्ति अपने मन के भावों को बोलकर व्यक्त करता है, तो वह भाषा का मौखिक रूप कहलाता है।

2) लिखित भाषा – जब व्यक्ति अपने मन के भावों को लिखकर व्यक्त करता है, तो वह भाषा का लिखित रूप कहलाता है।

➢ **लिपि –** भाषा का प्रयोग करते समय हम सार्थक ध्वनियों का उपयोग करते हैं। इन्हीं मौखिक ध्वनियों को जिन चिह्नों द्वारा लिखकर व्यक्त किया जाता है, वे लिपि कहलाते हैं।

भाषा	**लिपि**
हिंदी, संस्कृत, मराठी	देवनागरी
पंजाबी	गुरुमुखी
उर्दू, फ़ारसी	फ़ारसी
अरबी	अरबी
बंगला	बंगला
रूसी	रूसी
अंग्रेज़ी, जर्मन, फ्रेंच, स्पेनिश	रोमन

संस्कृत भाषा से ही हिंदी भाषा का जन्म हुआ है। 14 सितंबर, 1949 को हिंदी संविधान में भारत की राजभाषा स्वीकार की गई।

➢ **व्याकरण –** व्याकरण शब्द तीन शब्दों से मिलकर बना है: वि+आ+करण जिसका अर्थ होता है: भली- भाँति समझाना।

- भाषा को शुद्ध रूप में लिखना, पढ़ना और बोलना सिखाने वाला शास्त्र व्याकरण कहलाता है।

1. भाषा कहते हैं
   (i) भावों के आदान-प्रदान के साधन को (ii) लिखने के ढंग को
   (iii) भाषण देने की कला को (iv) इन सभी को
2. लिपि कहते हैं।
   (i) भाषा के शुद्ध प्रयोग को (ii) मौखिक भाषा को
   (iii) भाषा के लिखने की विधि को (iv) इन सभी को
3. बोलकर भाव एवं विचार व्यक्त करने वाली भाषा को ____ कहते हैं?
   (i) सांकेतिक भाषा (ii) लिखित भाषा
   (iii) मौखिक भाषा (iv) वैदिक भाषा
4. लिखित भाषा का अर्थ है
   (i) लिपि को समझना (ii) विचारों का लिखित रूप
   (iii) किसी के समक्ष लिखकर विचार देना (iv) विचारों को बोल-बोलकर लिखना

5. हिंदी भाषा की उत्पत्ति किस भाषा से हुई?

(i) अंग्रेजी (ii) फ्रेंच

(iii) उर्दू (iv) संस्कृत

लेखन -विभाग

मेरा प्रिय खेल पर निबंध

- खेल कई प्रकार के होते हैं । कक्ष के भीतर खेले जाने वाले खैलों को इनडोर गेम्स कहा जाता है, जबकि मैदान पर खेले जाने वाले खेल आउटडोर गेम्स कहलाते हैं । अलग-अलग प्रकार के खेल व्यायाम के महत्त्वपूर्ण अंग है । अत: अपनी रुचि एवं शारीरिक क्षमता केअनुकूल ही खेलों का चयन करना चाहिए । खेलकूद आज विभिन्न राष्ट्रों के मध्य सांस्कृतिक मेल-जोल बढ़ाने का एक उत्तम माध्यम बन गया है ।

- मेरा प्रिय खेल क्रिकेट है । आधुनिक युग मैं इस खेल को अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व प्राप्त है । भारत में यह खेल सर्वाधिक आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है । इस खेल से लोगों को अद्भुत लगाव है । क्या बच्चे, क्या बूढ़े, क्या नवयुवक, सभी इसके दीवाने हैं ।क्रिकेट का जन्म इंग्लैण्ड में हुआ था । इंग्लैण्ड से ही यह खेल रुलिया पहुँचा, फिर अन्य देशों में भी इसका प्रसार हुआ । यह खेल नियमानुसार सर्वप्रथम 1850 ई. में गिलफोर्ड नामक विद्यालय में खेला गया था । क्रिकेट का पहला टैस्ट मै1877 ई. में ऑस्ट्रेलिया के मेलबोर्न शहर में खेला गया था। भारत ने अपना पहला टेस्ट मैच इंग्लैण्ड के विरुद्ध सन् 1932में खेला था । टेस्ट मैच पाँच दिनों का होता है जो दो पारियों में खेला जाता है ।

- क्रिकेट का खेल बड़े-से अंडाकार मैदान में खेला जाता है । जीत-हार का फैसला रनों के आधार पर होता है । आरंभ में क्रिकेट को राजा-महाराजाओं या धनाढ्य लोगों का खेल कहा जाता था । वे अपने मन-बहलाव के लिए यह खेल खेला करते थे । स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हॉकी को राष्ट्रीय खेल का दर्जा दिया गया, परंतु हाँकी के साथ-साथ क्रिकेट भी लोकप्रिय होता चला गया । इस खेल में समय और धन अधिक लगता है फिर भी आज यह शहरों से लेकर गाँवों तक प्रसिद्धि पा चुका है ।

- क्रिकेट में मिली जीत से लोग खुश होकर सड़कों पर नाचने लगते हैं । यह केवल मेरा ही नहीं, मेरी तरह करोड़ों भारतवासियों का सबसे पसंदीता खेल है ।

*** गतिविधि - कविता में दिया गया चित्र बनाए |**

पाठ -2 लाख की चुड़ियाँ

(लेखक - कामतनाथ)

कक्षा - आठ
पाठ - दो

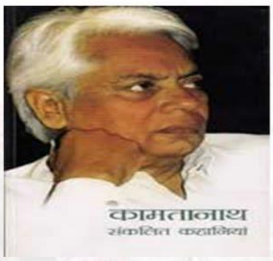

लाख की चूड़ियाँ

भाग-एक

लेखक : कामतानाथ
जन्म : 22 सितम्बर 1934
मृत्यु : 7 दिसंबर 2012
स्थान : लखनऊ में

➢ लाख की चूड़ियाँ पाठ सार

इस पाठ के द्वारा लेखक कहते हैं कि बदलते समय का प्रभाव हर वस्तु पर पड़ता है। बदलू व्यवसाय से मनिहार है। वह अत्यंत आकर्षक चूड़ियाँ बनाता है। गाँव की स्त्रियाँ उसी बनाई चूड़ियाँ पहनती हैं। बदलू को काँच की चूड़ियों से बहुत चिढ़ है। वह काँच की चूड़ियों की बड़ाई भी नहीं सुन सकता तथा कभी-कभी तो दो बातें सुनाने से भी नहीं चूकता ।लेखक अकसर गाँव जाता है तो बदलू काका से जरूर मिलता है क्योकि वह उसे लाख की गोलियां बनाकर देता है। परन्तु अपने पिता जी की बदली हो जाने की वजह से इस बार वह काफी दिनों बाद गाँव आता है।वह वहां औरतों को काँच की चूड़ियाँ पहने देखता है तो उसे लाख की चूड़ियों की याद हो आती है वह बदलू से मिलने उसके घर जाता है।बातचीत के दौरान बदलू उसे बताता है कि लाख की चूड़ियों का व्यवसाय मशीनी युग आने के कारण बंद हो गया है और काँच की चूड़ियों का प्रचलन बढ़ गया है।इस पाठ के द्वारा लेखक ने बदलू के स्वभाव, उसके सीधेपन और विनम्रता को दर्शाया है। अंत में लेखक यह भी मानता है कि काँच की चूड़ियों के आने से व्यवसाय में बहुत हानि हुई हो किन्तु बदलू का व्यक्तित्व काँच की चूड़ियों की तरह नाजुक नहीं था जो सरलता से टूट जाए।

➢ नए शब्द

1) लाख
2) मनिहार
3) पैतृक
4) खपत
5) पगड़ी
6) सलाख

7) मचिये 8) चाव

9) मोह 10) दहकती

➢ शब्दार्थ

1) लाख – लाह 2) सहन – आँगन

3) मनिहार– चूड़ी बनाने वाला 4) पैतृक – पिता सम्बन्धी

5) वास्तव – हकीकत 6) खपत – बिक्री

7) ढेरों – बहुत सारा 8) पगड़ी – पग

9) वृक्ष – पेड़ 10) भट्टी – अँगीठी

11) दहकती –जलती 12) चौखट – लकड़ी का चौकोर टुकड़ा

13) सलाख – धातु की छड़ 14) मुँगेरियाँ – गोल लकड़ी

15) मचिये – चौकोर खाट 16) चाव – ख़ुशी

17) मोह – आकर्षित

➢ सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1) बंदलू कैसी चूड़ियाँ बनाता था?

(a) काँच की (b) सोने की

(c) लाख की (d) चाँदी की

2) बदलू कौन था?

(a) लोहार (b) सुनार

(c) मनिहार (d) बढ़ई

3) लेखक अधिकतर बदलू से कब मिलता था?

(a) रात में (b) सवेरे

(c) दोपहर में (d) शाम में

4) बदलू प्रतिदिन कितनी चूड़ियाँ बना लिया करता था?

(a) तीन-चार जोड़े (b) चार-पाँच जोड़े

(c) चार-छह जोड़े (d) छह-सात जोड़े

5) बेलन पर चढ़ी चूड़ियाँ बदलू को कैसी लगती थी?

(a) नई जैसी (b) नारी की कलाइयों जैसी

(c) बहुत सुंदर **(d) नववधू की कलाई पर सजी जैसी**

6) पिता की बदली होने का लेखक पर क्या प्रभाव पड़ा?

(a) वह उदास हो गया **(b) वह मामा के घर न जा सका**

(c) उसे नए मित्र मिले (d) मामा का घर नजदीक हो गया

➢ अतिलघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 इस कहानी के लेखक कौन हैं?

उत्तर - इस कहानी के लेखक कामतानाथ जी हैं।

प्रश्न-2 रज्जो कौन थी?

उत्तर - रज्जो बदलू की बेटी थी।

प्रश्न-3 लेखक ने पाठ में अपना क्या नाम बताया है?

उत्तर - लेखक ने पाठ में अपना नाम जनार्दन बताया है।

प्रश्न-4 बदलू को संसार में किस चीज़ से चीढ़ थी?

उत्तर - बदलू को संसार में सबसे ज़्यादा काँच की चूड़ियों से चीढ़ थी।

प्रश्न- 5 बदलू का स्वभाव कैसा था?

उत्तर - बदलू का स्वभाव बहुत सीधा था क्योंकि लेखक ने कभी भी उसे झगड़ते नहीं देखा था।

प्रश्न-6 बदलू अपना कार्य किस चीज़ पर बैठ कर करता था?

उत्तर - बदलू अपना कार्य एक मचिये पर बैठ कर करता था जो की बहुत पुरानी थी।

प्रश्न-7 गाँव में लेखक का दोपहर का समय अधिकतर कहाँ बीतता?

उत्तर - गाँव में लेखक का दोपहर का समय अधिकतर बदलू के पास बीतता।

प्रश्न-8 बदलू कौन था?

उत्तर -बदलू एक मनिहार था। चूड़ियाँ बनाना उसका पैतृक पेशा था और वास्तव में वह बहुत ही सुंदर चूड़ियाँ बनता था।

➢ लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 सारे गाँव में लेखक को बदलू ही सबसे अच्छा आदमी क्यों लगता था?

उत्तर-सारे गाँव में लेखक को बदलू ही सबसे अच्छा आदमी इसलिए लगता था क्योंकि वह लेखक को सुंदर - सुंदर लाख की गोलियाँ बना कर देता था।

प्रश्न-2 लेखक जब आठ - दस वर्षों के बाद मामा के गाँव गया तो उसने क्या परिवर्तन देखा?

उत्तर - लेखक जब आठ - दस वर्षों के बाद मामा के गाँव गया तो उसने देखा कि गाँव में लगभग सभी स्त्रियाँ काँच की चूड़ियाँ पहने थीं।

प्रश्न-3 विवाह के अवसर पर बदलू को क्या - क्या मिलता था?

उत्तर - विवाह में उसके बनाए गए सुहाग के जोड़े का मूल्य इतना बढ़ जाता था कि उसके लिए उस घरवाली को सारे वस्त्र मिलते, ढेरों अनाज मिलता, उसको अपने लिए पगड़ी मिलती और रूपये मिलते।

➢ दीर्घ प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 'मशीनी युग' ने कितने हाथ काट दिए हैं।' - इस पंक्ति में लेखक ने किस व्यथा की ओर संकेत किया है?

उत्तर - 'मशीनी युग ने कितने हाथ काट दिए हैं'- इस पंक्ति में लेखक ने मशीनों के प्रयोग के कारण समाज में बढ़ती बेरोज़गारी और बेकारी की समस्या की ओर संकेत किया

है। मशीनीकरण के कारण हस्तशिल्प पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ा। कारीगरों के पैतृक व्यवसाय बंद हो गए। लोग बेरोज़गार हो गए। मशीनों के आगमन से कारीगरों की रोज़ी रोटी का साधन ख़त्म हो गया।

प्रश्न-2 मशीनी युग से बदलू के जीवन में क्या बदलाव आया?

उत्तर - मशीनी युग के कारण बदलू का सुखी जीवन दुःख में बदल गया था। गाँव की सभी स्त्रियाँ काँच की चूड़ियाँ पहनने लगी थी। बदलू की कला को अब कोई महत्व नहीं देता था। उसकी चूड़ियों की माँग अब नहीं रही थी। उसका व्यवसाय ठप पड़ गया था। शादी ब्याह से मिलने वाला अनाज, कपडे तथा अन्य उपहार उसे अब नहीं मिलते थे। उसकी आर्थिक हालत बिगड़ गई जिससे उसके स्वास्थ पर भी बुरा असर पड़ा।

व्याकरण

- **अलंकार की परिभाषा** - अलंकार दो शब्दों के योग से बना है -
  - → "अलंकार" शब्द का अर्थ है - "आभूषण" |
  - → काव्य की शोभा बढ़ाने वाले गुण को अलंकार कहते है

- **अलंकार के भेद**

अलंकार के भेद मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं|

1. शब्दालंकार
2. अर्थालंकार

1) शब्दालंकार - काव्य में शब्दों के विशिष्ट प्रयोग से सौंदर्य और चमत्कार उत्पन्न होता है, वहाँ शब्दालंकार होता है |जैसे :

उदाहरण- कनक - कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय |

2) **अर्थालंकार**- जहाँ कविता की पंक्ति में अर्थ के कारण विशेष सौंदर्य या चमत्कार उत्पन्न होता है, वहाँ अर्थालंकार होता है |

लेखन -विभाग

कहानी लेखन

संकेत

एक किसान के लड़के लड़ते- किसान मरने के निकट- सबको बुलाया- लकड़ियों को तोड़ने को दिया- किसी से न टूटा- एक-एक कर लकड़ियों तोड़ी- शिक्षा। उपर्युक्त संकेतों को पढ़ने और थोड़ी कल्पना से काम लेने पर पूरी कहानी इस प्रकार बन जायेगी-

एकता

एक था किसान। उसके चार लड़के थे। पर, उन लड़कों में मेल नहीं था। वे आपस में बराबर लड़ते-झगड़ते रहते थे। एक दिन किसान बहुत बीमार पड़ा। जब वह मृत्यु के निकट पहुँच गया, तब उसने अपने चारों लड़कों को बुलाया और मिल-जुलकर रहने की शिक्षा दी। किन्तु लड़कों पर उसकी बात का कोई प्रभाव नहीं पड़ा। तब किसान ने लकड़ियों का गट्ठर मगाया और लड़कों को तोड़ने को कहा। किसी से वह गट्ठर न टूटा। फिर, लकड़ियाँ गट्ठर से अलग की गयीं। किसान ने अपने सभी लड़कों को बारी-बारी से बुलाया और लकड़ियों को अलग-अलग तोड़ने को कहा। सबने आसानी से ऐसा किया और लकड़ियाँ एक-एक कर टूटती गयीं। अब लड़कों की आँखें खुलीं। तभी उन्होंने समझा कि आपस में मिल-जुलकर रहने में कितना बल है।

शिक्षा - एकता में ही बल हैं |

- **गतिविधि** - पाठ में बताए गए लाख की चूड़ियों का अथवा बदलू काका का चित्र बनाए|

भारत की खोज

पाठ -1 अहमदनगर का किल्ला

*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए |**

1) नेहरुजी की यह कौन -सी जेल यात्रा थी ?

- नेहरुजी की यह नौवीं जेल यात्रा थी |

2) अहमद नगर के किल्ले में रहते हुए नेहरुजी ने कौन -सा कार्य आरंभ कर दिया ?

- अहमद नगर के किल्ले में रहते हुए नेहरुजी ने बागबानी करने का कार्य आरंभ कर दिया

3) नेहरुजी का कितना समय बागबानी में बीतता था?

- नेहरुजी कई घंटो तक बागबानी का कार्य करते थे |

4) अहमदनगर के किल्ले के साथ जुड़ी हुई किस ऐतिहासिक घटना का जिक्र है ?

- अहमदनगर के किल्ले से जुड़ी चाँद बीबी नामक साहसी महिला की कहानी का जिक्र है |

5) नेहरुजी ने कुदाल छोड़कर कलम क्यों उठा ली ?

- जेल के अधिकारी आगे बढ़ने की अनुमति नहीं देते थे , इसलिए नेहरुजी ने कुदाल छोड़कर कलम उठा ली |

6) गेटे ने इतिहास लेखन के बारे में क्या कहा था ?

- गेटे के अनुसार - " ऐसा इतिहास -लेखन अतीत के भारी बोझ से किसी सीमा तक राहत दिलाता है "|

7) नेहरुजी ने अपनी विरासत किसे माना है ?

- विषय की कठिनता और जटिलता को नेहरुजी ने अपनी विरासत माना है |

8) " भारत की खोज " पुस्तक नेहरुजी ने कब और कहाँ लिखी थी ?

- " भारत की खोज " पुस्तक नेहरुजी ने 13 अप्रैल , 1944 में लिखी थी |

9) अहमद नगर के किल्ले की मिट्टी कैसी थी और इसको किसने उपजाऊ बना दिया ?

- अहमद नगर के किल्ले की मिट्टी बहुत खराब थी - पथरीली और पुराने मलबे और अवशेषो से भरी हुई |

10) बागबानी के लिए खुदाई करते समय नेहरुजी को क्या मिला ?

- बागबानी के लिए खुदाई करते समय प्राचीन दीवारों के हिस्से और इमारतों के ऊपरी हिस्से मिले |

11) इस किल्ले की रक्षा के लिए किसने किसके विरुद्ध अपनी सेना का नेतृत्व किया ?

- इस किल्ले की रक्षा के लिए चाँद बीबी नाम की एक महिला ने अकबर की शाही सेना का विरुद्ध किया |

पाठ -3 बस की यात्रा
(लेखक - हरिशंकर परसाई)

लेखक : हरिशंकर परसाई
जन्म : 22 अगस्त 1924
मृत्यु : 10 अगस्त 1995

➢ बस की यात्रा पाठ सार

एक बार लेखक अपने चार मित्रों के साथ बस से जबलपुर जाने वाली ट्रेन पकड़ने के लिए अपनी यात्रा बस से शुरु करने का फैसला लेते हैं। परन्तु कुछ लोग उसे इस बस से सफर न करने की सलाह देते हैं। नाजुक हालत देखकर लेखक की आँखों में बस के प्रति श्रद्धा के भाव आ जाते हैं। इंजन के स्टार्ट होते ही ऐसा लगता है की पूरी बस ही इंजन हो। सीट पर बैठकर वह सोचता है वह सीट पर बैठा है या सीट उसपर। कुछ समय की यात्रा के बाद बस रुक गई और पता चला कि पेट्रोल की टंकी में छेद हो गया है। ऐसी दशा देखकर वह सोचने लगा न जाने कब ब्रेक फेल हो जाए या स्टेयरिंग टूट जाए।आगे पेड़ और झील को देख कर सोचता है न जाने कब टकरा जाए या गोता लगा ले।अचानक बस फिर रुक जाती है। आत्मग्लानि से मनभर उठता है और विचार आता है कि क्यों इस वृद्धा पर सवार हो गए।इंजन ठीक हो जाने पर बस फिर चल पड़ती है किन्तु इस बार और धीरे चलती है।आगे पुलिया पर पहुँचते ही टायर पंचर हो जाता है। अब तो सब यात्री समय पर पहुँचने की उम्मीद छोड़ देते है तथा चिंता मुक्त होने के लिए हँसी-मजाक करने लगते है।अंत में लेखक डर का त्याग कर आनंद उठाने का प्रयास करते हैं तथा स्वयं को उस बस का एक हिस्सा स्वीकार कर सारे भय मन से निकाल देते हैं।

➢ नए शब्द

1) वयोवृद्ध
2) हाज़िर
3) रंक
4) सफ़र
5) गज़ब
6) निमित्त
7) ट्रेनिग
8) गुजर

➢ शब्दार्थ

1) हाज़िर: उपस्थित
2) सफ़र: यात्रा
3) डाकिन: डराने वालीउमड़: जमा होना
4) वयोवृद्ध: बूढ़ी या पुरानी
5) निशान: चिन्ह
6) वृद्धावस्था: बुढ़ापा
7) कष्ट: परेशानी
8) सवार: चढ़ा
9) हिस्सेदार: साझेदार
10) गज़ब: आश्चर्य
11) रंक : गरीब
12) कूच करने: जाना
13) निमित्त: कारण

➢ सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1) कुल कितने लोग शाम की बस से यात्रा करने वाले थे?
(a) तीन (b) चार
(c) पाँच (d) छह

2) इस पाठ के लेखक कौन हैं?
(a) भगवती चरण वर्मा (b) राम दरश मित्र
(c) कामतानाथ **(d) हरिशंकर परसाई**

3) पन्ना से सतना के लिए बस कितनी देर बाद मिलती है?
(a) आधा घंटा **(b) एक घंटे बाद**
(c) दो घंटे बाद (d) प्रातः काल

4) यह बस कहाँ की ट्रेन मिला देती है?
(a) सतना की **(b) पन्ना की**
(c) जबलपुर की (d) भोपाल की

5) उस बस में कंपनी के कौन सवार थे?
(a) चौकीदार **(b) हिस्सेदार**
(c) दावेदार (d) इनमें से कोई नहीं

6) लेखक हरे-भरे पेड़ों को क्या समझता था?
(a) जीवनदाता (b) मित्र
(c) शत्रु (d) शुभचिंतक

➢ अतिलघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 लेखक को क्या देखकर लगा कि बस इसमें गोता लगाएगी?

उत्तर - झील

प्रश्न-2 लेखक ने बस को कैसी अवस्था में बताया?

उत्तर – वृद्धावस्था

प्रश्न-3 लेखक और उसके मित्र कुल कितने सदस्य थे, जिन्हें बस की यात्रा करनी थी?

उत्तर - पाँच

प्रश्न-4 पाठ 'बस की यात्रा' के लेखक कौन हैं?

उत्तर – पाठ 'बस की यात्रा' के लेखक हरिशंकर परसाई जी हैं।

प्रश्न-6 पहली बार बस किस कारण रुकी?

उत्तर - पेट्रोल की टंकी में छेद होने के कारण पहली बार बस रुकी।

प्रश्न-7 कंपनी के हिस्सेदार ने बस के लिए क्या कहा?

उत्तर - कंपनी के हिस्सेदार ने बस के लिए कहा - बस तो फर्स्ट क्लास है जी !

➢ लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 विदा करने आए लोगों की प्रतिक्रिया देखकर लेखक को कैसा लगा?

उत्तर विदा करने आए लोगों की प्रतिक्रिया देखकर लेखक को लगा कि जैसे वह मरने के लिए जा रहा हो और लोग उसे अंतिम विदाई देने आए हों।

प्रश्न-2 आशय स्पष्ट कीजिए -'आदमी को कूच करने के लिए एक निमित्त चाहिए।'

उत्तर – इस कथन का आशय यह है कि मनुष्य को इस संसार को त्यागने अर्थात मरने के लिए एक साधन की आवश्यकता होती है। यहाँ वह साधन बस है जिसमें कि लेखक और उसके मित्र यात्रा कर रहे हैं।

प्रश्न-3 लेखक की चिंता क्यों जाती रही?

उत्तर – बस में जब पहली बार खराबी आई तो लेखक को चिंता हुई, पर जब खटारा बस में एक के बाद एक समस्या उत्पन्न होती गई तो अंत में लेखक ने समय से पन्ना पहुँचने की उम्मीद छोड़ दी और परिस्थिति से समझौता कर लिया। इसलिए लेखक की चिंता जाती रही।

प्रश्न-4 लेखक ने बस कंपनी के हिस्सेदार की तरफ पहली बार श्रद्धाभाव से देखा। लेखक को ऐसा क्यों लगा कि हिस्सेदार की योग्यता का सही उपयोग नहीं हो रहा है?

उत्तर – इस व्यंग्य कथन के माध्यम से लेखक ने कहा है कि बस कंपनी के हिस्सेदार को मालूम था कि बस के टायर घिसे - पिटे हैं और कभी भी दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। उसे न तो स्वंय की जान की परवाह थी और न ही यात्रियों की जान की। उसने टायर बदलने का ज़रा विचार नहीं किया।

➢ दीर्घ प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न- 1 सविनय अवज्ञा का उपयोग व्यंग्यकार ने किस रूप में किया है?

उत्तर - 'सविनय अवज्ञा आंदोलन' १९३० में सरकारी आदेशों का पालन न करने के लिए किया था।इसमें अंग्रेज़ी सरकार के साथ सहयोग न करने की भावना थी। लेखक ने 'सविनय अवज्ञा' का उपयोग बस के सन्दर्भ में किया है। वह इस प्रतीकात्मक भाषा के माध्यम से यह बताना चाहता रहा है कि बस विनय पूर्वक अपने मालिक व यात्रियों से उसे

स्वतंत्र करने का अनुरोध कर रही है।

प्रश्न-2 "लोगों ने सलाह दी कि समझदार आदमी इस शाम वाली बस से सफ़र नहीं करते।" लोगों ने यह सलाह क्यों दी?

उत्तर - बस की हालत बहुत खराब थी। उसका सारा ढाँचा बुरी हालत में था, अधिकतर शीशें टूटे पड़े थे। इंजन और बस की बॉडी का तो कोई तालमेल नहीं था। बस का कोई भरोसा नहीं था कि यह कब और कहाँ रूक जाए, शाम बीतते ही रात हो जाती है और रात रास्ते में कहाँ बितानी पड़ जाए, कुछ पता नहीं रहता। कई लोग पहले भी उस बस से सफ़र कर चुके थे। वो अपने अनुभवों के आधार पर ही लेखक व उसके मित्र को बस में न बैठने की सलाह दे रहे थे। उनके अनुसार यह बस डाकिन की तरह थी।

व्याकरण

➢ वाक्य

दो या दो से अधिक पदों के सार्थक समूह को, जिसका पूरा पूरा अर्थ निकलता है, वाक्य कहते हैं।

उदाहरण : 'सत्य की विजय होती है।'

वाक्य के दो अंग होते है|

- **उद्देश्य**
- **विधेय**

<u>उद्देश्य</u> कर्ता को कहते है और कर्ता के अलावा जो भी बात वाक्य में कही जाए उसे <u>विधेय</u> कहते है ।

वाक्य भेद दो प्रकार से किए जा सकते है-

- **अर्थ के आधार पर वाक्य भेद(8)**
- **रचना के आधार पर वाक्य भेद(3)**

अर्थ के आधार पर वाक्य के भेद

अर्थ के आधार पर आठ प्रकार के वाक्य होते है -

- विधान वाचक वाक्य
- निषेधवाचक वाक्य
- प्रश्नवाचक वाक्य
- विस्म्यादिवाचक वाक्य
- आज्ञावाचक वाक्य
- इच्छावाचक वाक्य
- संकेतवाचक वाक्य

- संदेहवाचक वाक्य

1) विधानवाचक वाक्य - वह वाक्य जिससे किसी प्रकार की जानकारी प्राप्त होती है, वह विधानवाचक वाक्य कहलाता है।

उदाहरण -

- भारत एक देश है।
- राम के पिता का नाम दशरथ है।
- दशरथ अयोध्या के राजा हैं।

2) निषेधवाचक वाक्य- जिन वाक्यों से कार्य न होने का भाव प्रकट होता है, उन्हें निषेधवाचक वाक्य कहते हैं।

जैसे-

- मैंने दूध नहीं पिया।
- मैंने खाना नहीं खाया।

3) प्रश्नवाचक- वह वाक्य जिसके द्वारा किसी प्रकार प्रश्न किया जाता है, वह प्रश्नवाचक वाक्य कहलाता है।

उदाहरण -

- भारत क्या है?
- राम के पिता कौन है?
- दशरथ कहाँ के राजा है?

4) आज्ञावाचक वाक्य- वह वाक्य जिसके द्वारा किसी प्रकार की आज्ञा दी जाती है या प्रार्थना की जाती है, वह आज्ञावाचक वाक्य कहलाता है।

उदाहरण -

- कृपया बैठ जाइये।
- शांत रहो।
- कृपया शांति बनाये रखें।

5) विस्मयादिवाचक- वह वाक्य जिससे किसी प्रकार की गहरी अनुभूति का प्रदर्शन किया जाता है, वह विस्मयादिवाचक वाक्य कहलाता हैं।

उदाहरण -

- अहा! कितना सुन्दर उपवन है।
- ओह! कितनी ठंडी रात है।
- बल्ले! हम जीत गये।

6) इच्छावाचक- जिन वाक्यों में किसी इच्छा, आकांक्षा या आशीर्वाद का बोध होता है, उन्हें इच्छावाचक वाक्य कहते हैं।

उदाहरण-

- भगवान तुम्हें दीर्घायु करे।
- नववर्ष मंगलमय हो।

7) संकेतवाचक - जिन वाक्यों में किसी संकेत का बोध होता है, उन्हें संकेतवाचक वाक्य कहते हैं।

उदाहरण-

- राम का मकान उधर है।
- सोनु उधर रहता है।

8) संदेहवाचक - जिन वाक्यों में संदेह का बोध होता है, उन्हें संदेहवाचक वाक्य कहते हैं।

उदाहरण-

- क्या वह यहाँ आ गया ?
- क्या उसने काम कर लिया ?

<u>रचना के आधार</u> पर वाक्य के निम्नलिखित **<u>तीन भेद</u>** होते हैं-'

1. सरल वाक्य/साधारण वाक्य
2. संयुक्त वाक्य
3. मिश्रित/मिश्र वाक्य

(1) सरल वाक्य/ साधारण वाक्य- जिन वाक्यों में एक ही विधेय होता है, उन्हें सरल वाक्य या साधारण वाक्य कहते हैं, इन वाक्यों में एक ही क्रिया होती है|

जैसे-

- मुकेश पढ़ता है।
- राकेश ने भोजन किया।

(2) संयुक्त वाक्य- जिन वाक्यों में दो-या दो से अधिक सरल वाक्य समुच्चयबोधक अव्ययों से जुड़े हों, उन्हें **संयुक्त वाक्य** कहते है|

जैसे- प्रिय बोलो पर असत्य नहीं।

- इसकी तलाशी लो और घडी मिल जाएगी।
- करो या मरो।
- मोहन एक पुस्तक चाहता था और वह उसे मिल गई।
- मैं वहाँ पहुँचा और तुरन्त घंटा बजा।

(3) मिश्रित/मिश्र वाक्य - जिन वाक्यों में एक मुख्य या प्रधान वाक्य हो और अन्य आश्रित उपवाक्य हों, उन्हें मिश्रित वाक्य कहते हैं।

जैसे-

- यदि परिश्रम करोगे तो, उत्तीर्ण हो जाओगे।
- मैं जानता हूँ कि तुम्हारे अक्षर अच्छे नहीं बनते।
- वह जो लड़का है छोटा है।
- यह वही बच्चा है जिसको बैल ने सींग मारा था।
- जो गरीबों की सहायता करते हैं वे धर्मात्मा होते हैं।

लेखन-विभाग

➢ पत्र लेखन

आपकी बड़ी बहन के विवाह पर अपने मित्र को आमंत्रित करते हुए पत्र लिखिए |

20/ कैलाश नगर
करोलबाग ,
दिल्ली |
दिनांक.....
प्रिय सखी
मधुरस्मृति
तुम्हें यह जानकर अति प्रसन्नता होगी कि मेरी बड़ी बहन नेहा दीदी का शुभ विवाह 10 फरवरी 2020 को होना निश्चित हुआ है। मेरी हार्दिक इच्छा है कि इस अवसर पर तुम भी यहाँ आ जाओ और कार्यक्रम में सम्मिलित हो।
पत्र के साथ मैं कार्यक्रम संबंधी पूरी जानकारी भेज रही हूँ तथा एक निमंत्रण पत्र तुम्हारे माता-पिता के लिए भी संलग्न कर रही हूँ। मेरे माता-पिता की इच्छा है कि तुम्हारे माता-पिता भी इस अवसर पर पधारकर कृतार्थ करें। पत्र के उत्तर की प्रतीक्षा में।
तुम्हारी सखी
अंशु

➢ **गतिविधि -** आप किसी यात्रा पर गए होंगे उस पर दस- बारह वाक्य लिखिए |

कविता-4 दिवानों की हस्ती

(कवि - भगवतीचरण वर्मा)

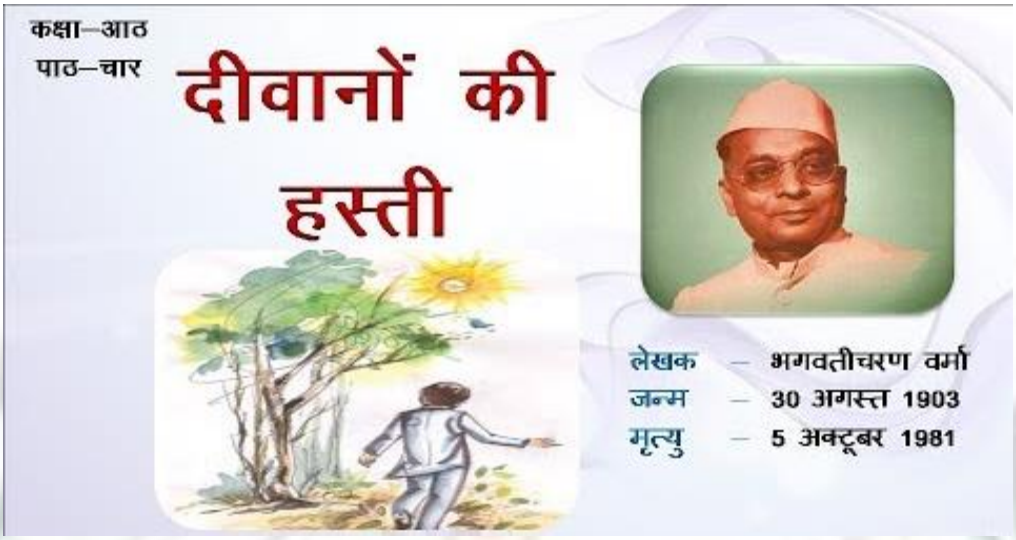

➢ दीवानों की हस्ती पाठ सार

प्रस्तुत कविता में कवि का मस्त-मौला और बेफिक्री का स्वभाव दिखाया गया है । मस्त-मौला स्वभाव का व्यक्ति जहां जाता है खुशियाँ फैलाता है। वह हर रूप में प्रसन्नता देनेवाला है चाहे वह ख़ुशी हो या आँखों में आया आँसू हो। कवि 'बहते पानी-रमते जोगी' वाली कहावत के अनुसार एक जगह नहीं टिकते। वह कुछ यादें संसार को देकर और कुछ यादें लेकर अपने नये-नये सफर पर चलते रहते है | वह सुख और दुःख को समझकर एक भाव से स्वीकार करते हैं। कवि संसारिक नहीं हैं वे दीवाने हैं। वह संसार के सभी बंधनों से मुक्त हैं। इसलिए संसार में कोई अपना कोई पराया नहीं है। जिस जीवन को उन्होने खुद चुना है उससे वे प्रसन्न हैं और सदा चलते रहना चाहते हैं।

➢ नए शब्द

1) आलम
2) जग
3) हस्ती
4) स्वच्छंद
5) उर
6) आबाद

➢ शब्दार्थ

1) हस्ती:अस्तित्व
2) मस्ती:मौज
3) आलम:दुनिया
4) उल्लास: ख़ुशी
5) दीवानों: अपनी मस्ती में रहने वाले
6) भाव: एहसास
7) जग: संसार
8) भिखमंगों: भिखारियों
9) स्वच्छंद: आजाद
10) निसानी: चिन्ह
11) उर: हृदय
12) भार: बोझ
13) आबाद: बसना
14) स्वयं: खुद

➢ सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1) 'दीवानों की हस्ती' कविता के रचयिता कौन हैं?

(a) महादेवी वर्मा **(b) भगवतीचरण वर्मा**
(c) सुभाष गताडे (d) जया जादवानी

2) इस कविता में किसकी हस्ती की बात कही गई है?

(a) कवि की (b) दीवानों की
(c) आम लोगों की (d) सभी की

3) मस्ती भरा जीवन जीने वाले लोगों के बीच क्या बन जाते हैं ?

(a) आदर्श (b) शोक
(c) मेहमान **(d) उल्लास**

4) वे संसार से कैसा भाव रखते हैं?

(a) मैत्रीभाव का **(b) समान भाव का**
(c) ईर्ष्या भाव का (d) भावुकता से भरा भाव

5) बलि-वीरों के मन में बलि होने की चाहत किसके लिए है?

(a) परिवार के लिए (b) राज्य के लिए
(c) देश के लिए (d) अपने-आप के लिए

6) यह दुनिया किनकी है?

(a) भिखमंगों की (b) दीवानों की
(c) कवि की (d) सभी की

➢ अतिलघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 कवि सुख और दुःख को किस भाव से ग्रहण करता है?

उत्तर – कवि सुख और दुःख को समान भाव से ग्रहण करता है।

प्रश्न-2 कवि किस बात के लिए संघर्षरत रहता है?

उत्तर - कवि समाज की भलाई के लिए हमेशा संघर्षरत रहता है।

प्रश्न-3 कवि सुख - दुःख की भावना से निर्लिप्त क्यों है?

उत्तर - कवि सुख - दुःख की भावना से इसलिए निर्लिप्त है क्योंकि वह सुख और दुःख को समान भाव से देखता है।

प्रश्न-4 कवि किन बंधनों को तोड़ने की बात कर रहा है?

उत्तर - कवि समाज में व्याप्त बुराइयों, रूढ़िग्रस्त रीती - रिवाज़ों के परंपरागत बंधनों को तोड़ने की बात कह रहा है।

प्रश्न-5 कवि ने दुनियाँ को भिखमंगा क्यों कहा है?

उत्तर - कवि ने दुनियाँ को भिखमंगा इसलिए कहा है क्योंकि दुनिया में सभी लोग एक दूसरे से कुछ न कुछ माँगते रहते हैं।

➢ लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 'हम स्वंय बँधे थे और स्वंय हम अपने बंधन तोड़ चले' - पंक्ति का अर्थ बताइए।

उत्तर कवि स्वंय सांसारिक बंधनों से बंधकरआया था परन्तु वह अब सांसारिकता के सभी बंधनों को अपनी इच्छा से तोड़कर स्वच्छंद जीना चाहता है।

प्रश्न-2 कवि ने अपने आप को दीवाना क्यों कहा है?

उत्तरकवि ने अपने आप को दीवाना इसलिए कहा है क्योंकि वह मस्तमौला है। उसे किसी बात की फिक्र नहीं है। वह अपनी मस्ती में ही बिना किसी मंज़िल के आगे बढ़ा चला जा रहा है।

प्रश्न-3 कवि ने अपने जीवन को मस्त क्यों कहा है?

उत्तर -कवि को दुनिया की कोई परवाह नहीं है। न उसे किसी बात का दुःख है और ना ही किसी बात की खुशी। उसका रुकने का कोई निश्चित स्थान नहीं है। यही कारण है की कवि ने अपने जीवन को मस्त कहा है।

➢ दीर्घ प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 कवि ने अपने आने को 'उल्लास' और जाने को 'आँसू बनकर बह जाना' क्यों कहा है?

उत्तर - कवि ने अपने आने को 'उल्लास' इसलिए कहा है क्योंकि उसके आने पर लोगों में जोश तथा ख़ुशी का संचार होता है। कवि लोगों में खुशियाँ बाटता है। इसी कारण लोगों के मन प्रसन्न हो जाते हैं। पर जब वह उस स्थान को छोड़ कर आगे जाता है तब उसे तथा वहाँ के लोगों को दुःख होता है। विदाई के क्षणों में उनकी आँखों से आँसू बह निकलते हैं।

व्याकरण

➢ संधि की परिभाषा

दो वर्णों (स्वर या व्यंजन) के मेल से होने वाले विकार को संधि कहते हैं।

दूसरे अर्थ में- संधि का सामान्य अर्थ है मेल। इसमें दो अक्षर मिलने से तीसरे शब्द की रचना होती है, इसी को संधि कहते हैं।

संधि का शाब्दिक अर्थ है- मेल या समझौता। जब दो वर्णों का मिलन अत्यन्त निकटता के कारण होता है तब उनमें कोई-न-कोई परिवर्तन होता है और वही परिवर्तन संधि के नाम से जाना जाता है।

➢ संधि विच्छेद-

उन पदों को मूल रूप में पृथक कर देना संधि विच्छेद है।

जैसे- हिम + आलय= हिमालय (यह संधि है),

अत्यधिक= अति + अधिक (यह संधि विच्छेद है)

- यथा + उचित= यथोचित
- अखि + ईश्वर= अखिलेश्वर
- आत्मा + उत्सर्ग= आत्मोत्सर्ग
- महा + ऋषि= महर्षि

1- राष्ट्राध्यक्ष - राष्ट्र + अध्यक्ष

2- नयनाभिराम - नयन + अभिराम

3- युगान्तर - युग + अन्तर

4- शरणार्थी - शरण + अर्थी

5- सत्यार्थी - सत्य + अर्थी

6- दिवसावसान - दिवस + अवसान

7- प्रसंगानुकूल - प्रसंग +अनुकूल

8- विद्यानुराग - विद्या + अनुराग

9- परमावश्यक - परम + आवश्यक

10- उदयाचल - उदय + अचल

लेखन -विभाग

➢ संवाद लेखन

परीक्षा के एक दिन पूर्व दो मित्रों की बातचीत का संवाद लेखन कीजिए।

अक्षर - नमस्ते विमल, कुछ परेशान से दिखते हो?

विमल - नमस्ते अक्षर, कल हमारी गणित की परीक्षा है।

अक्षर - मैंने तो पूरा पाठ्यक्रम दोहरा लिया है, और तुमने?

विमल - पाठ्यक्रम तो मैंने भी दोहरा लिया है, पर कई सवाल ऐसे हैं, जो मुझे नहीं आ रहे हैं।

अक्षर - ऐसा क्यों?

विमल - जब वे सवाल समझाए गए थे, तब बीमारी के कारण मैं स्कूल नहीं जा सका था।

अक्षर - कोई बात नहीं चलो, मैं तुम्हें समझा देता हूँ। शायद तुम्हारी समस्या हल हो जाए।

विमल - पर इससे तो तुम्हारा समय बेकार जाएगा।

अक्षर - कैसी बातें करते हो यार, अरे! तुम्हें पढ़ाते हुए मेरा दोहराने का काम स्वतः हो जाएगा। फिर, इतने दिनों की मित्रता कब काम आएगी।

विमल - पर, मैं उस अध्याय के सूत्र रट नहीं पा रहा हूँ।

अक्षर - सूत्र रटने की चीज़ नहीं, समझने की बात है। एक बार यह तो समझो कि सूत्र बना कैसे। फिर सवाल कितना भी घुमा-फिराकर आए तुम ज़रूर हल कर लोगे।

विमल - तुमने तो मेरी समस्या ही सुलझा दी। चलो अब कुछ समझा भी दो।

➢ **गतिविधि - कविता में दिया गया चित्र बनाए |**

>>>